Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

E-mail: krantisamay@gmail.com

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 6 , सोमवार, 29 जनवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

'आधार' साल का हिंदी शब्द घोषित हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑक्सफोर्ड डिक्शनरीज ने अंग्रेजी शब्द की तरह पहली बार वर्ष के हिंदी शब्द की घोषणा की है और जयपुर साहित्योत्सव (जेएलएफ) में 'आधार' को वर्ष 2017 का हिंदी शब्द घोषित किया गया। जयपुर में आयोजित किए जा रहे जेएलएफ में आज एक संगोष्ठी में इसकी घोषणा की, जिसमें कवि अशोक वाजपेयी, वरिष्ठ पत्रकार विनोद दुआ और वरिष्ठ साहित्यकार चित्रा मुदगल आदि ने भाग लिया। ऑक्सफोर्ड डिक्शनरीज ने एक विज्ञप्ति में बताया कि चयन समिति के सामने कई हिंदी शब्दों में से एक को चुनने की चुनौती थी और अंतिम चयनित शब्दों में आधार के साथ नोटबंदी, स्वच्छ, योग, विकास तथा बाहुबली जैसे शब्द थे और इनमें से 'आधार' को चुना गया। उन्होंने कहा कि 'वर्ष का हिन्दी शब्द, एक ऐसी अभिव्यक्ति है जिसने सबसे ज्यादा ध्यान आकृष्ट किया हो तथा जो पिछले साल की प्रकृति, भाव तथा मनोदशा का समग्र रूप से चित्रण करता हो। हिन्दी भाषा में 'आधार' मौलिक रूप से स्थापित शब्द है। हालांकि आधार कार्ड या विशिष्ट पहचान संख्या के रूप में इसने एक नया सन्दर्भ ग्रहण किया। इस नये सन्दर्भ में यह शब्द पिछले साल राष्ट्रीय परिचर्चा के केंद्र में आ गया जब आधार योजना के विस्तार के परिणामस्वरूप बैंक खातों तथा फोन नंबरों को इससे जोड़ा जाने लगा। कई हिंदी शब्दों में से एक का चुनाव करने वाली समिति में शामिल लेखिका नमिता गोखले ने कहा, ''उन शब्दों को ढूंढना जो 2017 को पारिभाषित करते हों, बेहद मज़ेदार और प्रेरक अनुभव रहा।'' ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस इंडिया के प्रबंध निदेशक शिवरामाकृष्णन वी के मुताबिक, ''हम अत्यंत उल्लास के साथ पहले ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी 'वर्ष का हिन्दी शब्द' की घोषणा कर रहे हैं।''

दुकानदार के घर में घुस कर सिपाही कर रहा था छेड़खानी, हुई जमकर धुनाई

बस्ती,नई दिल्ली (एजेंसी)। बस्ती जिले के मुंडेरवा थाना क्षेत्र में रविवार की सुबह चुपके से एक दुकानदार के घर में घुसे सिपाही की भीड़ ने धुनाई कर दी। घर में मौजूद दो लड़कियों के शोर मचाने पर पहुंचे लोग आरोपी सिपाही संजय को पकड़ कर थाने ले गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मुण्डेरवा क्षेत्र के रहने वाले एक व्यक्ति ने मकान के अगले हिस्से में चाय-नाश्ते की दुकान खोल रखी है। रविवार की सुबह करीब सात बजे पत्नी संग दुकान खोलने चले आए। घर पर उनकी दो बेटियां अकेले थीं। आरोप है कि इसी बीच थोड़ी दूरी पर किराए का मकान ले कर रह रहा मुण्डेरवा थाने पर तैनात सिपाही संजय घर में घुस गया। उसे देख लड़कियों ने शोर मचाया तो वह तख्ते के नीचे छिप गया। शोर सुन पहुंचे लोगों ने तख्ते के नीचे से उसे खींचकर बाहर निकाला और जमकर धुनाई करने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया।

शर्मनाक: बैंक प्रबंधक ने होटल में नशीला पदार्थ खिलाकर छात्रा से रेप

इलाहाबाद (एजेंसी)। एक प्रतियोगी छात्रा ने शादी का झांसा देकर गोरखपुर में तैनात एक बैंक प्रबंधक पर रेप का आरोप लगाया है। उसने गुरुवार को सिविल लाइंस थाने में केस दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि बैंक मैनेजर उसे एक होटल में ले गया और नशीला पदार्थ खिलाकर रेप किया। जब शादी के लिए कहा तो उसने इनकार कर दिया। पुलिस का कहना है कि मामला प्रेम प्रपंच का है, जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। कुशीनगर की एक युवती स्ट्रैचीरोड पर किराये पर रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही है। उसका आरोप है कि गोरखपुर के चिलुआताल स्थित नकहा गांव निवासी अविनाश कुमार उसे कुछ रोज पहले सिविल लाइंस स्थित एक होटल में ले गया। वहां कमरे में पेय पदार्थ में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। उसके बाद उसने रेप किया। पुलिस का कहना है कि आरोपित गोरखपुर में एक बैंक में प्रबंधक है। दोनों के बीच काफी समय से प्रेम संबंध है। यहां तक कि छात्रा का सारा खर्च वही वहन करता है। छात्रा का आरोप है कि अब उसका किसी और से संबंध हो गया है। उसने शादी का झांसा देकर उसका रेप किया है।

योगी-मोदी 19 मार्च को देश के लम्बे एक्सप्रेस-वे का करेंगे शिलान्यास

गोरखपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 19 मार्च को देश के सबसे लम्बे एक्सप्रेस-वे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का शिलान्यास करेंगे। 353 किलोमीटर लम्बी इस परियोजना पर 25 हजार करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। मुख्यमंत्री इसे रिकार्ड 24 महीनों की अवधि यानी 2020 तक निर्मित करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 19 मार्च की तिथि इसलिए चुनी क्योंकि इसी दिन उनकी सरकार के काम काज के 1 साल पूरे हो रहे हैं। यूपीडा ने निर्माण शुरू करने के लिए कंपनियों से आरएफ क्यू मांगी हैं। इस एक्सप्रेस की महत्वपूर्ण बात यह है कि यह सामरिक महत्व का होगा। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे की तर्ज पर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर भी 3000 मीटर का एयर स्ट्रिप बनाया जाएगा जहां आपात स्थिति में विमानों की लैंडिंग हो सकेगी। इसके लिए सुल्तानपुर जिले के कूडेभार ब्लाकक्षेत्र में जगह चिन्हित की गई है।

''पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता वाली योजना है। इस एक्सप्रेस-वे को सामरिक महत्व का बनाने के साथ ही औद्योगिक कारीडोर से भी जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मार्च माह में निर्माण कार्य का शिलान्यास कराने की योजना बनाई है। जमीन के अधिग्रहण का कार्य तेजी से किया जा रहा है।''

अवनीश कुमार अवस्थी, प्रधान सचिव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ से गाजीपुर के 353 किलोमीटर लंबी इस सड़क परियोजना की लागत करीब 25 हजार करोड़ रुपए आने का अनुमान है। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे लखनऊ, बाराबंकी, फैजाबाद, अंबेडकरनगर, अमेठी, सुल्तानपुर, आजमगढ़, मऊ और गाजीपुर से होकर गुजरेगा। यह एक्सप्रेस वे 6 लेन का होगा, जिसे बाद में 8 लेन तक बढ़ाया जा सकेगा। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की चौड़ाई 110 मीटर से बढ़ा कर 120 मीटर कर दी गई है।

जुड़ेंगे चार धार्मिक स्थल भी

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को चार धार्मिक स्थलों वाराणसी, इलाहाबाद, अयोध्या और गोरखपुर से जोड़ा जाएगा। वाराणसी में एनएच 33 से और अयोध्या, इलाहाबाद और गोरखपुर में इसे लोकनिर्माण विभाग के लिंक मार्ग से जोड़ते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे में मिलाया जाएगा।

85 प्रतिशत जमीन का हुआ अधिग्रहण

एक्सप्रेस-वे के लिए यूपीडा को 4335.67 हेक्टेअर जमीन अधिग्रहीत करनी है। अब तक 9 जिलों में 85 प्रतिशत यानी कुल 3329.91 हेक्टेअर से ज्यादा जमीन अधिग्रहीत कर चुकी है। 90 प्रतिशत जमीन होने की स्थिति में ही निर्माण कार्य शुरू किया जा सकता है। इसमें 438 हेक्टेअर जमीन का पुन: अधिग्रहण होना है। इसके अलावा एक्सप्रेस-वे निर्माण के लिए बैंकों के कंसोर्सियम से 5,000 करोड़ रुपये का कर्ज लेने की प्रक्रिया यूपीडा ने शुरू कर दी है।

तमिलनाडु राजनीति : रजनीकांत द्रविड़ दलों के लिए चुनौती!

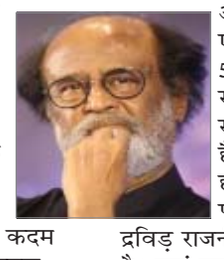

चेन्नई। सुपर स्टार रजनीकांत के राजनीति में प्रवेश को द्रविड़ दलों द्रमुक और अन्नाद्रमुक के लिए चुनौती तो माना जा रहा है लेकिन वे एमजी रामचंद्रन या जयललिता के इतिहास को दोहरा पाएंगे, इसकी उम्मीद बेहद कम है। पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता के निधन के बाद तमिल राजनीति में खालीपन को ध्यान में रख शायद रजनीकांत ने राजनीति में कदम रखा है। वे प्रतिद्वंद्वी अभिनेता कमल हासन से भी हाथ मिलाने को तैयार दिखते हैं। एक पखवाड़े में उनकी दो मुलाकातें हुई हैं।

जानकारों का मानना है कि फिल्मी लोकप्रियता से राजनीति के शीर्ष पर पहुंचना आसान नहीं है। अब तक जो सफल हुए हैं, उन्होंने पहले दलों में कार्य किया। एमजी रामचंद्रन ने मुख्यमंत्री बनने से पहले कांग्रेस और डीएमके में 24-25 साल का सफर तय किया।

रजनीकांत पर एक चैनल ने सर्वे कराया है जिसमें उन्हें 16 फीसदी लोगों का समर्थन दिख रहा है। एक जानकार का कहना है कि मोटे तौर पर यही अधिकतम उम्मीद है। एमजीआर और जया को 35-57 फीसदी तक वोट मिलते रहे हैं। रजनीकांत के फिल्मी समर्थकों की तादाद कम नहीं है लेकिन चुनाव में द्रविड़ मुद्दा हावी रहता है। मैसूर में मराठी परिवार में जन्मे रजनी के लिए द्रविड़ राजनीति का विकल्प बनना कठिन है। वहां रामचंद्रन समेत कई दूसरे राज्यों से तमिलनाडु आकर बसे नेता सीएम बने हैं लेकिन वे सभी तमिल थे।

राज्य में कांग्रेस खस्ताहाल है तो भाजपा शुरूआत के लिए जगह तलाश रही है। ऐसे में दोनों दलों की रजनीकांत में दिलचस्पी हो सकती है। पर रजनीकांत के भाजपा के साथ जाने की अटकलें ज्यादा हैं। रजनीकांत यदि चुनाव में उतरते हैं तो गैर तमिलों का उन्हें समर्थन मिलेगा। राज्य में करीब 25-30 फीसदी गैर तमिल हैं। भ्रष्टाचार से खफा युवा इन्हें आजमा सकते हैं।

खौफनाक: बच्चे को ऐसे हवा में उछालकर पटकते दिखा बाप,

नई दिल्ली। 10 साल के बच्चे की पिटाई का दिल दहला देने वाला वीडियो सामने आने के बाद बेंगुलुरू पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिता की पहचान 37 वर्षीय महेंद्र के रूप में हुई है। पुलिस के हाथ जो वीडियो लगा है उसमें आरोपी पिता अपने 10 साल के बेटे को बेरहमी से पीटते हुए दिख रहा है। यह वीडियो पुलिस को मोबाइल रिपेयर करने वाले एक शॉप से मिला है। आरोपी महेंद्र ने अपना फोन मोबाइल रिपेयर सेंटर में रिपेयर कराने के लिए दिया था। 10 साल का यह बच्चा तीसरी कक्षा में पढ़ता है। आरोपी पिता पेशे से प्लंबर है। बताया जा रहा है कि बच्चे को पटक-पटक कर पीटने का यह वीडियो आरोपी की पत्नी ने बनाया है। पुलिस की पूछताछ में पता चला है कि महिला ने बच्चे को पटक पटकर पीटने का वीडियो वीडियो इसलिए बनाया है कि उसे इस वीडियो के जरिए आतंकित किया जा सके। जब बच्चा कोई गलती करे तो उसे पिटाई का यह वीडियो दिखाकर डराया जा सके।

बच्चे को क्यों पीटा? पिता ने दी सफाई

आरोपी पिता से जब पुलिस ने पूछताछ की जब तो उसने बताया कि उनका बच्चा झूठ बहुत बोलने लगा है। इसी बात से वह एक दिन गुस्से में आ गया और उसकी पिटाई कर दी थी। पुलिस को जो वीडियो मिला है।

तीन सौ सरकारी स्कूलों में नर्सरी कक्षाएं अप्रैल से

स्कूलों में दसवीं और बारहवीं की कक्षाएं 24 फरवरी तक चलेंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकारी के 300 स्कूलों में नर्सरी और केजी कक्षाएं शैक्षणिक सत्र 2018-19 से शुरू होंगी। इस संबंध में शिक्षा निदेशालयसभी जिलों के उप निदेशकों को निर्देश देने जा रही है। यह फैसला शिक्षा निदेशालय की कोऑर्डिनेशन कमेटी ने अपनी हालिया बैठक में लिया है। बैठक में कहा गया है कि बजट में घोषणा के तहत स्कूलों में नर्सरी कक्षाएं शुरू की जानी है। लिहाजा सभी उप शिक्षा निदेशकों को निर्देश दिया जाए कि स्कूलों में नर्सरी व केजी के लिए अलग से क्लास रूम सुनिश्चित करेंगे। इसके लिए स्कूलों में जो कमरे बंद जैसे योगा क्लास रूम, स्पोर्ट्स रूम, स्टोर रूम, ईवीजीसी रूम, एक्जाम रूम आदि का इस्तेमाल करें। इसके अलावा क्लास रूम की संख्या बढ़े इसके लिए प्राचार्य व उप प्राचार्य दोनों एक ही कमरे में बैठ सकते हैं। उप शिक्षा निदेशक ऐसे स्कूलों में जाकर देखेंगे कि जो दावा कर रहें हैं कि उनके पास रूम नहीं है। नर्सरी शिक्षक के लिए पद निकाले जाएंगे और शिक्षकों का पैनल तैयार किया जाएगा।

स्कूलों में बच्चों की हाजिरी कम प्रधानाचार्य को जारी होगा कारण बताओ नोटिस

शिक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। दसवीं और बारहवीं की बोर्ड की परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए इन कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए 24 फरवरी तक कक्षाएं चलेंगी। इसके लिए स्कूल ब्रांच को सकरुलर जारी करने को कहा गया है। सीबीएसई परीक्षाओं के दौरान भी एक्स्ट्रा क्लासेज चलाई जाएंगी। कम हाजिरी वाले स्कूलों में प्रधानाचायरे को जारी होगा नोटिस : दिल्ली सरकार के जिन स्कूलों में विद्यार्थियों की हाजिरी कम है, ऐसे स्कूलों के प्रधानाचायरे को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा।

शिक्षा निदेशालय की कोऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक में यह फैसला हुआ है। तय हुआ है कि इस संबंध में प्रधानाचायरे से मिले जवाब के आधार पर क्षेत्रीय शिक्षा निदेशक को ऐसे प्रधानाचायरे के खिलाफ एक्शन का प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया है। यह एक्शन उन्ही प्रधानाचायरे पर होगा, जिनका जवाब संतोषजनक नहीं होगा।

हंगामे की पूर्व तैयारी के साथ आए थे आप के पार्षद

नगर निगम की साझा बैठक में जमकर हुआ हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी के व्यापारियों को सीलिंग से राहत देने के लिए शनिवार को बुलाई गई नगर निगमों की साझा बैठक में जमकर हंगामा हुआ जिसकी वजह से मेयर कमलजीत सहरावत को एक बार 15 मिनट के लिए बैठक स्थगित करनी पड़ी। दोबारा शुरू हुई बैठक में भी हंगामा हुआ और स्थिति मारपीट तक पहुंच गई। हंगामा आम आदमी पार्टी के पार्षदों ने शुरू किया। पार्षद अपने साथ नारे लिखी तख्तियां लेकर आए थे। ऐसा लग रहा था कि वह पूर्व तैयारी से आए थे।हंगामे के बीच सत्तापक्ष, कांग्रेस एवं आम आदमी पार्टी सदस्यों ने अपनी बात रखी। भाजपा ने धारा 74 के तहत प्रस्ताव पास किया है जिसमें उच्चतम न्यायालय से छह महीने का समय इस शर्त के साथ मांगा गया है कि सीलिंग पर तत्काल रोक लगे। सीलिंग से राहत दिलाने के लिए बुलाई गई बैठक में भी वही हुआ, जो आम तौर पर नगर निगमों की बैठकों में होता रहा है। बैठक शुरू होते ही सत्तापक्ष की ओर से सीलिंग पर चर्चा कराने का प्रस्ताव रखा गया। इस पर आप के पार्षद बिखर गए, उनकी मांग थी कि बवाना अग्निकांड में मारे लोगों की याद में दो मिनट का मौन रखा गया। मेयर ने इसे स्वीकार करते हुए मारे गए लोगों की याद में दो मिनट का मौन रखा गया। इसके बाद सत्तापक्ष ने जयेंद्र डबास ने चर्चा शुरू की और सीलिंग पर दिल्ली सरकार की भूमिका पर सवाल उठाये। यह सुनते ही आप के पार्षद फिर भड़क गये और हंगामा करते हुए वैल में आ गये। इस हंगामे के बीच कुछ पार्षदों के बीच धक्का-मुक्की का भी आरोप है। हंगामा नहीं थमने पर मेयर कमलजीत सहरावत ने बैठक 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी। उच्चतम न्यायालय जाने का निर्णय : साझा बैठक में सत्तापक्ष ने निर्णय लिया है कि वह सीलिंग से राहत दिलाने के लिए उच्चतम न्यायालय जाएंगे। निगम उच्चतम न्यायालय में मॉनिटरिंग कमेटी को सीलिंग से रोकने का आग्रह करेगा और इसके लिए एएसजी को अनुबंधित करने का आग्रह करेगा। धारा 74 के तहत रखे गए प्रस्ताव में मास्टर प्लान-2021 को सीलिंग के लिए जिम्मेदार बताया गया है। इससे दिल्ली के व्यापारियों में भ्रम की स्थिति पैदा हुई है।

कुछ पार्षदों के बीच हुई धक्का-मुक्की प्रस्ताव पारित कर सीलिंग पर सुप्रीम कोर्ट से छह महीने की राहत मांगी गई

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा मांग रही समय :

कांग्रेस के अभिषेक दत्त ने आरोप लगाया कि दिल्ली में 20 विधानसभा सीटों के चुनावों को ध्यान में रखते हुए भाजपा छह महीने की राहत की बात कर रही है। विधानसभा के चुनाव के बाद फिर सीलिंग शुरू हो जाएगी। उनका सुझाव है कि सीलिंग से नियमित राहत की बात की जानी चाहिए। कहां हैं भाजपा के सांसद: आम आदमी पार्टी के नेताओं ने आरोप लगाया कि सीलिंग के बाद से भाजपा के सांसद गायब हो गए हैं। जबकि वह भी नगर निगम के सम्मानित सदस्य हैं। इस साझा बैठक में उन्हें भी आना चाहिए था, जिससे सांसद पार्षदों की बात सुनकर संसद में उठाते और इससे व्यापारियों को जल्द राहत मिलती।

डीयू : ईसी की बैठक के एजेंडे में अहम मुद्दे शामिल नहीं

कार्यकारी परिषद सदस्य ने कुलपति को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विविद्यालय की तीस जनवरी को आयोजित होने वाली कार्यकारी परिषद की बैठक में महत्वपूर्ण मुद्दे नदारद रहेंगे। इस मामले में कार्यकारी परिषद सदस्य प्रो एके भागी ने डीयू के कुलपति प्रो योगेश के त्यागी को पत्र लिखकर दिल्ली विविद्यालय से जुड़े अहम मुद्दे को शामिल किये जाने की मांग की है। प्रो भागी ने कहा है कि करीब पंद्रह जरूरी मुद्दे बैठक के एजेंडे में शामिल हीं नहीं किये गये हैं।

प्रो भागी ने कुलपति को लिखे पत्र में कहा है कि उन्हें कार्यकारी परिषद की बैठक का एजेंडा देखकर हैरानी हुई कि इसमें विविद्यालय से जुड़े अहम मुद्दे नदारद है। बैठक के एजेंडे में शिक्षकों और कर्मचारियों के संशोधित वेतनमान का मुद्दा ही नहीं है।

इसको एजेंडे में शामिल किया जाना जरूरी है। 2014 में जो डीयूकर्मी सेवानिवृत्त हो गये हैं, उन्हें पेंशन नहीं मिल रही है। इस मुद्दे को भी बैठक में शामिल नहीं किया गया। प्रमोशन में तदर्थ शिक्षण को शामिल किये जाने का मुद्दा भी नहीं है। लाईब्रेरियन को शैक्षणिक स्टाफ में शामिल किये जाने को लेकर यूजीसी दो बार स्पष्टीकरण दे चुकी है, फिर भी इस मुद्दे को कार्यकारी परिषद की बैठक के एजेंडे में नहीं जोड़ा गया है।

इसी प्रकार प्रमोशन के मामले में बीते सालों से प्वाइंट्स सिस्टम को लागू करने किये जाना भी एजेंडे का हिस्सा नहीं बनाया गया है।

दयाल सिंह सांध्य कॉलेज को प्रात: कॉलेज में बदलने को लेकर ढांचागत मसला, ठेके पर काम कर रहे गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के नियमितिकरण व वेतनमान में संशोधन, विविद्यालय में गैर शैक्षणिक पदों को भरे जाने, तदर्थ शिक्षकों के नियमितकरण, विभाग व कॉलेज शिक्षकों को समय सीमा में पदोन्नत किये जाने, विभागाध्यक्ष की नियुक्ति में वरिष्ठता सूची, दाखिले में पारदर्शिता आदि के मुद्दे को बैठक के एजेंडे में शामिल नहीं किया गया है।

सावधान : अगर बदन पर है टैटू तो भारतीय वायुसेना में नहीं मिलेगी नौकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आपने अपने बदन पर टैटू बनवा लिया है तो भारतीय वायुसेना में आपको नौकरी मिलने में काफी मुश्किल आ सकती है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने वायुसेना के उस फैसले को बरकरार रखा है, जिसमें एयरमैन के पद पर नियुक्त एक शख्स की नियुक्ति इसलिए रद्द कर दी गई क्योंकि उसने अपनी बांह पर ऐसा टैटू बनवा लिया था, जिसे कभी मिटाया या हटाया नहीं जा सकता।

भारतीय वायुसेना कुछ खास तरह के टैटू की इजाजत देती है। वह आदिवासियों को उनके रीति-रिवाजों एवं परंपराओं के मुताबिक बनाए गए टैटू के मामलों में भी रियायत देती है। बहरहाल, न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति रेखा पाटिल की पीठ ने कहा कि अभ्यर्थी के बदन पर बना टैटू वायुसेना की ओर से दी जाने वाली रियायतों के दायरे में नहीं आता और उसने अपना आवेदन जमा करते वक्त भी अपने टैटू की तस्वीर नहीं सौंपी जबकि वायुसेना की ओर से जारी विज्ञापन में इस बाबत निर्देश दिए गए थे। वायुसेना के वकील ने स्पष्ट किया कि सिर्फ बांहों के अंदरूनी हिस्से, हाथ के पिछला हिस्से या हथेली के निचले हिस्से में बदन पर स्थायी टैटू की इजाजत है। इसके अलावा, टैटू बनवा चुके आदिवासी अभ्यर्थियों के मामले में सिर्फ ऐसे टैटू की इजाजत है जो उनके रीति-रिवाज और परंपराओं के मुताबिक बनाए गए हों। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी की स्वीकार्यता या अस्वीकार्यता पर फैसले का हक चयन समिति के पास है। याचिकाकर्ता ने एयरमैन पद पर अपनी नियुक्ति रद्द करने के वायुसेना के फैसले को चुनौती देते हुए कहा था कि जब उसे नियुक्ति-पत्र जारी किया गया था तो उसकी ओर से जमा किए गए एक प्रमाण-पत्र में उसने जानकारी दे दी थी कि उसके बदन पर एक टैटू है और ऐसा नहीं है कि उसने अधिकारियों से कुछ छुपाया है। बहरहाल, पीठ ने अर्जी खारिज करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता के बदन पर बना टैटू विज्ञापन में दी गई रियायत के दायरे में नहीं आता और इसी वजह से हम उसकी नियुक्ति को रद्द करने वाले आदेश में कोई खामी नहीं पाते। न्यायालय ने कहा कि दिसंबर 2017 में उसकी नियुक्ति रद्द करने का ठीकरा अधिकारियों पर नहीं मढ़ा जा सकता, क्योंकि वह उस वक्त अपने टैटू की तस्वीर जमा करने में नाकाम रहा था। याचिकाकर्ता ने 29 सितंबर 2016 को वायुसेना में एयरमैन पद के लिए आवेदन किया था और फरवरी 2017 में लिखित एवं शारीरिक परीक्षा पास करने के बाद उसे मेडिकल जांच के लिए बुलाया गया। वह मेडिकल जांच में भी पास हो गया। पिछले साल

नवंबर में उसे नियुक्ति पत्र जारी किया गया और 24 दिसंबर 2017 रिपोर्ट करने के लिए कहा गया। अधिकारियों को रिपोर्ट करने के अगले ही दिन उसे नियुक्ति रद्द करने का पत्र थमाया गया। पत्र में कहा गया था कि उसके शरीर पर बने स्थायी टैटू के कारण सशस्त्र बल में चयन की अनुमति नहीं दी जा सकती।

शिक्षा सबसे अच्छी मित्र है। एक शिक्षित व्यक्ति हर जगह सम्मान पता है, शिक्षा सौंदर्य और यौवन को परास्त कर देती है। चाणक्य

कम्युनिस्ट पार्टी

भारत की सबसे बड़ी कम्युनिस्ट पार्टी सीपीएम में जबरदस्त बहस चल रही है। बहस का मुद्दा है कि भविष्य में कांग्रेस के साथ गठबंधन किया जा सकता है, या नहीं। खबरों के अनुसार पार्टी के वर्तमान महासचिव सीताराम येचुरी समझौते के पक्ष में हैं, और पूर्व महासचिव प्रकाश करात विरोध में। किस का पक्ष प्रबल है, इस पर विचार करने के लिए इस आशय का एक राजनीतिक प्रस्ताव भी पेश किया गया है, जिस पर अंतिम निर्णय पार्टी कांग्रेस में होगा। तब तक दोनों नेता अपने-अपने पक्ष में वातावरण में लगे हुए हैं।इस बहस पर विचार करने के पहले देखना जरूरी है कि दोनों प्रमुख नेताओं में कौन पार्टी का ज्यादा शुभचिंतक है। करात ने 2005 में पार्टी का नेतृत्व संभाला और 2015 तक महासचिव रहे। येचुरी 2015 में महासचिव बने और अभी तक इस पद पर हैं। दोनों नेताओं की यह अवधि बाहर साल ठहरती है। इस बीच हुए विधानसभा चुनावों में केरल में पार्टी एक बार चुनाव हारी और एक बार जीती। प. बंगाल में पार्टी दोनों बार चुनाव हारी। 2014 में लोक सभा में सीपीएम के 45 सदस्य थे। आज सिर्फ 9 हैं। स्पष्ट है कि ये दोनों ही सज्जन सीपीएम को उचित नेतृत्व नहीं दे पाए हैं। इसके बावजूद दोनों सीपीएम के भविष्य का निर्णय करने वाले फार्मूले पर बहस कर रहे हैं, तो यही कहा जा सकता है कि स्वयं पार्टी के अधिकांश सदस्यों को अंदाजा नहीं है कि पार्टी का भविष्य कैसे सध सकता है।असली बात यह है कि इस समय कांग्रेस या कांग्रेस नहीं, सीपीएम के लिए सबसे जरूरी है कि बुनियादी प्रश्नों पर विचार करे। पार्टी का पतन क्यों हुआ? कहां-कहां भूल हुई? क्या वजह है कि पार्टी न तो सत्ता प्राप्त कर सकी और न ही विपक्ष में कोई बड़ी भूमिका निभा सकी? प. बंगाल जहां सीपीएम ने लगातार पैंतीस वर्ष तक शासन किया, में पार्टी दो-दो बार कैसे पराजित हो गई? आखिर क्यों आम धारणा बन रही है कि भारत में अब कोई वामपंथ नहीं रहा? पड़ोसी देश नेपाल में कम्युनिज्म का उभार और भारत में कम्युनिज्म का पराभव, यह विरोधाभास क्या कहता है? जब सीपीएम के सामने इतने बड़े-बड़े अस्तित्वपरक मुद्दे उपस्थित हों, मामला जीवन-मरण का हो, तब कांग्रेस से समझौता करें या नहीं, इस तुच्छ-से चुनावी प्रश्न पर बहस पार्टी की बौद्धिक दरिद्रता का ही द्योतक है, कुछ और नहीं। मैं नहीं मानता कि सीपीएम में ऐसे बुद्धिजीवी नहीं हैं, जो देश की वर्तमान स्थिति में पार्टी की सक्रियता का निर्णायक महत्व न समझते हों। इस समय सीपीएम ही एकमात्र संसदीय पार्टी है, जिसके पास देश के वर्तमान संकट की कुछ सही समझ है, और जो भाजपा से कोई प्रच्छन्न समझौता नहीं कर सकती। उद्यम करे तो व्यापक जन उभार पैदा कर सकती है। सीपीएम के बुद्धिजीवी और कार्यकर्ता फासिस्ट चुनौती को समझ रहे हैं, और जहां-जहां संभव है, हस्तक्षेप भी कर रहे हैं। लेकिन पार्टी स्वयं पंगु दिख रही है। उसकी गतिविधियां सिमटी हुई हैं। उसके संघर्ष का स्वर इतना धीमा है कि किसी को सुनाई नहीं पड़ रहा। जाहिर है कि सीपीएम के उम्दा-उम्दा बुद्धिजीवी इस वामपंथी सन्नाटे को सुन रहे होंगे। फिर भी चुप क्यों हैं? हस्तक्षेप करने का साहस क्यों नहीं कर रहे? माना कि कम्युनिस्ट पार्टियों में बुद्धिजीवियों को दबा कर रखा जाता है। पार्टी जो कहती है, उसे चुपचाप मान लेते हैं, बल्कि आत्मसमर्पण की मुद्रा में पहले से ही जान जाते हैं कि उन्हें किस मौके पर क्या और क्या नहीं बोलना चाहिए। उत्तप्त वातावरण बनाएं कि सीपीएम अपनी राख से निकल कर एक बार फिर जिंदा संगठन बन सके। जहां तक कांग्रेस के साथ समझौता करने या न करने का सवाल है, तो यह कोई मामला ही नहीं है। वस्तुत: सीपीएम ने राष्ट्रीय राजनीति में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया, यह रणनीति ही गलत है। इसी के कारण ज्योति बसु को देश का प्रधानमंत्री बनने का मौका मिला तो यह नहीं होने दिया गया। लोग महसूस करते हैं कि विकल्पहीनता के उस क्षण में बसु प्रधानमंत्री बन जाते तो राष्ट्रीय राजनीति की धारा ही बदल सकती थी। सवाल यह नहीं है कि कांग्रेस के साथ आप समझौता या गठबंधन करते हैं, या नहीं। सवाल यह है कि किन शतरे पर करते हैं, और किस उद्देश्य से करते हैं। उदाहरण के लिए सीपीएम ने पिछले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस से चुनाव समझौता किया। लेकिन समझौते की शत्रे क्या थीं? क्या कोई प्रगतिशील चुनाव घोषणा पत्र सामने आया? क्या लोगों में आशा जगी कि सीपीएम और कांग्रेस अपनी पिछली भूलों से सीख कर एक नई और बेहतर सरकार दे सकेंगे? चूंकि यह एक निस्तेज और सड़ा-गला समझौता था, इसलिए दोनों को मुंह की खानी पड़ी। एक अच्छी पार्टी शैतान से भी समझौता कर सकती है, अगर इससे कोई प्रगतिशील लक्ष्य सिद्ध होता है। मिलने से डर उसे लगता है, जो कमजोर हो। जिसके विचार स्पष्ट और इरादे मजबूत हों, वह किसी भी दल के साथ समझौता कर अपनी शक्ति को बढ़ा ही सकता है, कमजोर नहीं कर सकता।

सत्संग

हमें हो परमात्मा से प्रेम

इस जगत की पीड़ा यही है कि प्रेम की हमारे भीतर आकांक्षा तो है, लेकिन जगत में उसकी तृप्ति का कोई उपाय नहीं। इसलिए जितने प्रेमी इस जगत में कष्ट पाते हैं, दूसरे लोग नहीं पाते। दूसरे तो कठोर हैं। दूसरों ने तो कठोर कर लिया है अपना दिल। वे प्रेम के झंझट में ही नहीं पड़ते। इसे गहराई से समझना होगा। प्रेम उपद्रव है। क्योंकि प्रेम की प्यास तो मन में है और यहां कोई व्यवस्था नहीं है कि उसकी प्राप्ति हो सके। परमात्मा ने वह आयोजन रखा है। प्रेम की प्यास दी है और प्रेम का कोई उपाय यहां तृप्त करने का नहीं दिया, ताकि तुम यहां भटक न जाओ, ताकि तुम घर लौट ही जाओ, ताकि तुम्हें घर लौटना ही पड़े। प्यास तुम्हारे रोएं-रोएं में भर दी है। इसलिए इस संसार में एक ऐसा आदमी खोजना कठिन है, जो प्रेम पाकर आनंदित न होता हो। छोटे-से दुधमुंहे बच्चे से लेकर मृत्युशैया पर पड़े बूढ़े आदमी तक सतत प्रेम के लिए टटोलते फिरते हैं, खोजते रहते हैं कि हमें प्रेम कहां से मिल जाए, कैसे मिल जाए! और यहां कभी स्थायी रूप से मिलता नहीं। यह परमात्मा की बड़ी अनुकंपा है। प्रेम की प्यास दी है और प्रेम को तृप्त करने का कोई उपाय नहीं दिया है। इसलिए एक न एक दिन टकरा-टकराकर, भटक-भटककर, द्वार-दीवारों को खटका-खटकाकर हमें यह बात समझ में आ ही जाती है कि अगर प्रेम को तृप्त करना है तो तृप्ति का उपाय परमात्मा में है, और कहीं नहीं। जिस दिन यह बोध होता है, उसी दिन व्यक्ति धार्मिक होता है। इस जगत में तो सभी प्रेम सशर्त हैं। तुम जब भी किसी को प्रेम करते हो तो तुम कहते हो - ऐसा करो, तो ही मेरा प्रेम मिलेगा। ऐसा नहीं किया तो मैं अपने प्रेम को रोक लूंगा। यह तो सौदा हुआ, व्यवसाय हुआ। प्रेम तो अबाध बहना चाहिए। उसके पीछे कोई हेतु और कारण नहीं होना चाहिए। परमात्मा आकाश जैसा विराट है। विराट से प्रेम करोगे, तो तुम भी विराट हो जाओगे। क्षुद्र से प्रेम करोगे, तो क्षुद्र हो जाओगे। परमात्मा के प्रेम में कोई बंधन नहीं है। उसके प्रेम में परिपूर्ण स्वतंत्रता है। उसके प्रेम में तुम पर कोई सीमा नहीं लगती, तुम्हें कोई मर्यादा नहीं बांधनी होती। उसका प्रेम तुम्हें स्वीकार करना है, तुम जैसे हो वैसा ही।

आम बजट दस्तूर भर नही

ऐसा कैसे संभव होगा कि कॉरपोरेट टैक्स को वादे के मुताबिक सरकार 25 फीसद के स्तर पर ले आए। कराधार बढ़ाकर अधिक राजस्व की वसूली करे ताकि देश के आर्थिक विकास में ढंग से उपयोग हो आने वाले दिनों में नई दिल्ली की आर्थिक और राजनीतिक दिशा क्या होगी, इसकी रूपरेखा दावोस में तय हो गई है। सबसे तेज विकास वाली अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे भारत ने विश्व को अपनी धाक का अहसास करा दिया है। स्विट्जरलैंड में विश्व आर्थिक मंच पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया से आर्थिक मोर्चे को जोड़ने और आतंकवाद के मोर्चे को तोड़ने का आह्वान कर संदेश दिया कि उनकी सरकार अर्थव्यवस्था के लिए समूचे विश्व से हाथ मिलाने को तैयार है।

सतीश पेडणोकर

मोदी सरकार का आम बजट दस्तूर भर नहीं होगा। आर्थिक विकास की दर, उसके घटने-बढ़ने का असर अब राजनीति में दिखता है। क्या किया जाए कि किसानों से किया गया वो वादा पूरा हो सके कि उनकी आमदनी 2022 तक दोगुनी हो जाएगी। ऐसा कैसे संभव होगा कि कॉरपोरेट टैक्स को वादे के मुताबिक सरकार 25 फीसद के स्तर पर ले आए। कराधार बढ़ाकर अधिक राजस्व की वसूली करे ताकि देश के आर्थिक विकास में ढंग से उपयोग हो आने वाले दिनों में नई दिल्ली की आर्थिक और राजनीतिक दिशा क्या होगी, इसकी रूपरेखा दावोस में तय हो गई है। सबसे तेज विकास वाली अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे भारत ने विश्व को अपनी धाक का अहसास करा दिया है। स्विट्जरलैंड में विश्व आर्थिक मंच पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया से आर्थिक मोर्चे को जोड़ने और आतंकवाद के मोर्चे को तोड़ने का आह्वान कर संदेश दिया कि उनकी सरकार अर्थव्यवस्था के लिए समूचे विश्व से हाथ मिलाने को तैयार है। यह भी कि आतंकवाद से लड़ने के लिए विश्व को भारत के साथ खड़ा होना पड़ेगा। संदेश दुनिया के लिए ही नहीं, बल्कि देश के लिए भी है कि बड़ा मुकाम हासिल करना है तो उसे मोदी के नेतृत्व वाली मौजूदा बीजेपी सरकार को अभी दूर तक समर्थन देना होगा। कम से कम 2019 तो इस पटकथा में शामिल है ही।ऐसे में मोदी सरकार का आम बजट दस्तूर भर नहींहोगा। आर्थिक विकास की दर, उसके घटने-बढ़ने का असर अब राजनीति में दिखता है। बजट में ऐसा क्या किया जाए कि 2015 में किसानों से किया गया वो वादा पूरा हो सके कि उनकी आमदनी 2022 तक दोगुनी हो जाएगी। ऐसा कैसे संभव होगा कि कॉरपोरेट टैक्स को वादे के मुताबिक सरकार 25 फीसद के स्तर पर ले आए। कराधार बढ़ाकर अधिक राजस्व की वसूली करे ताकि उसका देश के आर्थिक विकास और लोक कल्याण में संतुलित ढंग से उपयोग हो। यही नजरिया लेकर चल रही है सरकार। अनुमान है कि बजट में यह नजरिया परिलक्षित भी होगा। मोदी सरकार ने आर्थिक विकास को विदेश नीति से जोड़ा है। एक कमजोर राष्ट्र में या कमजोर सरकार के रहते निवेशक अपना पैसा लगाकर निश्चिन्त नहीं हो सकते। सो, राजनीतिक रूप से मजबूत सरकार ने हिन्दुस्तान को मजबूत करने का नया रास्ता चुना। इस्त्रइल से दोस्ती कर बाकी देशों को संबंधों की सुस्ती तोड़ने को बाध्य किया है। तय किया है कि पाकिस्तान के भरोसे हमारी मध्य-पूर्व की नीति नहीं चल सकती। हमें चाबहार बंदरगाह चाहिए ताकि अफगानिस्तान, अरब देशों और संपूर्ण मध्य-पूर्व तक हमारी स्वतंत्र पहुंच हो। लुक वेस्ट अब एक्ट वेस्ट हो गया है यानी लुक ईस्ट एक्ट ईस्ट होने जा रहा है। गणतंत्र दिवस पर आसियान देशों की मेजबानी यों ही नहीं है। सामुद्रिक व्यापार में खुद को मजबूत करने की यह पहल है। दावोस में पीएम मोदी ने इंडिया मीन्स बिजनेस कहकर दुनिया का ध्यान खींचा है।आप ताज्जुब कर रहे होंगे कि बजट पर बात करते हुए विदेश नीति की इतनी चर्चा क्यों? दरअसल, इस नीति ने विदेशी निवेशकों को एक्टिव बनाया है, और एनआरआई का अपने देश में विास जगाया है। भविष्य में विदेशी मुद्रा का संकट नहीं हो, वित्त मंत्री इस पर काम कर रहे हैं। बजट में भुगतान संतुलन की चिंता से ऊपर उठकर राजस्व घाटे को पाटने का प्रयास हो रहा है। पहले सरकारी खर्चे घटाने की बातें हुआ करती थीं, अब इसकी चिंता छोड़ कर विकास पर जोर दिया जा रहा है। सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में खर्च बढ़ाने पर विचार कर रही है। यह विास विदेश नीति से ही आया है। नोटबंदी और जीएसटी ने वित्त मंत्री का काम आसान कर दिया है। बैंकों को एनपीए संकट से उबार देने और अप्रत्यक्ष कर की गारंटी देने के बाद अब अरु ण जेटली को प्रत्यक्ष कर पर ही ध्यान देना है। इसके लिए बजट में टैक्स सुधार किए जा रहे हैं। स्लैब में बदलाव की उम्मीद है। छूट की सीमा 3 लाख तक की जा सकती है। दावोस में पीएम मोदी ने कहा था कि इंडिया मीन्स बिजनेस। उस समय राहुल गांधी ने देश की 73 प्रतिशत दौलत एक प्रतिशत लोगों के हाथों में जमा होने का मुद्दा उठाया था। मोदी सरकार ने बजट में इसका जवाब देने की तैयारी कर ली है। देश की 65 फीसदी कृषि आबादी को सरकार बजट से जोड़ने जा रही है। फसल बीमा सुरक्षा के बाद अब खेती को लाभकारी बनाने की पहल से बजट की रंगत बदली बदली नजर आएगी।रेलवे सुरक्षा की गंभीरता बजट में नजर आएगी। बड़ा बजट देकर स्टेशनों के साथ ट्रेनों के भीतर तक सीसीटीवी की व्यवस्था होगी। रेल पटरियों के जाल के साथ तेज गति वाली ट्रेनों पर फोकस किया जा रहा है। यात्री किराये को रैशनलाइज करने और माल ढुलाई को स्पर्धी बनाने की योजना है। कॉरपोरेट सेक्टर को मोदी सरकार से बड़ी उम्मीद रही है। टैक्स दर कम करके सरकार यह उम्मीद पूरी कर सकती है। यह कमी फ्लैट तरीके से न करके टर्नओवर की एक लिमिट तय करके की जा सकती है। फिर भी कॉरपोरेट सेक्टर उम्मीद कर सकता है कि एक बार पहल हुई तो आगे संभावनाओं का द्वार खुल जाएगा। सरकार का प्रयास है कि देश में उत्पादक इकाइयां बढ़ें। अब तक विदेशी निवेशक भारत को असेंबलिंग प्लेस के रूप में देखते रहे हैं। कल-पुजरे का आयात करके उन्हें यहां असेंबल कर देते थे, और मोटी कमाई कर चलते बनते थे यानी सरकार से लाभ लेकर आयात शुल्क भी बचा लेते थे। अब सरकार कल-पुजरे पर आयात शुल्क बढ़ाने जा रही है, ताकि मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दिया जा सके। स्वास्य के क्षेत्र में भी बजट बढ़ने के संकेत हैं। पीएम ने लोक लुभावन बजट नहीं देने का जो संकेत दिया है, उससे लोक कल्याणकारी योजनाओं की किसी नई पहल की उम्मीद कम है। हां, पहले से चल रही योजनाओं का बजट जरूर बढ़ सकता है।रक्षा बजट बढ़ेगा, इसमें संदेह नहीं है। यह जरूरी भी है। भारत का रक्षा बजट चीन के मुकाबले बहुत पीछे है। चीन ने अपने रक्षा बजट में 10 फीसद बढ़ोतरी की थी, जो 140 अरब डॉलर हो गई है, जबकि भारत का रक्षा बजट 40 अरब डॉलर भी नहीं है। सरकार 10 फीसद भी इजाफा करे तो रक्षा बजट में 4 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हो सकती है। भारत इससे पीछे नहीं हट सकता। लगता है कि बजट 2018 में किसान, कॉरपोरेट जगत और रक्षा को पूरी तवज्जो मिलने जा रही है। वहीं, लोक कल्याण योजनाओं के लिए तिजोरी खुलती नहीं दिख रही है। बावजूद इसके पूरे आसार हैं कि यह बजट आम लोगों लिए उम्मीद भरा होगा।

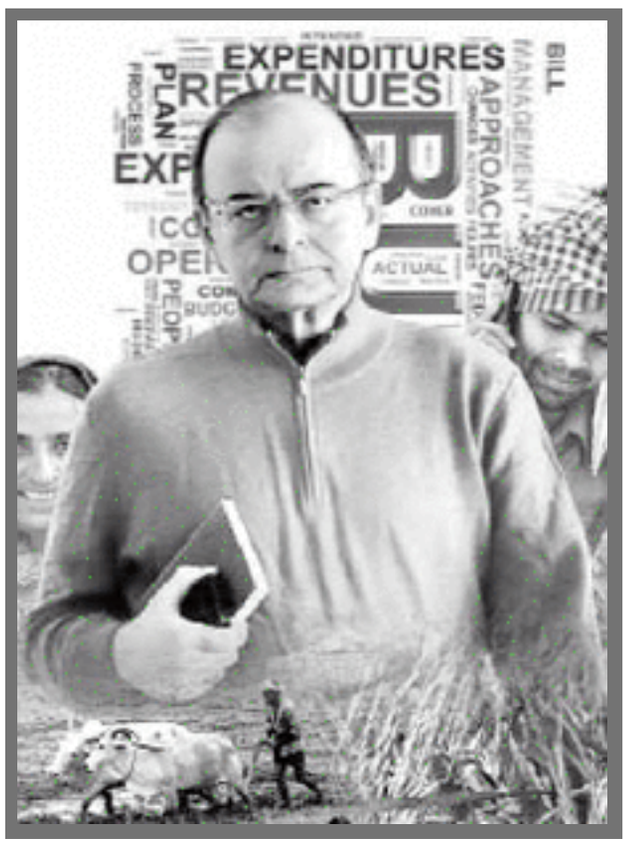

चलते चलते

विज्ञान और योग

विज्ञान और योग में देखा जाए तो कोई खास अंतर नहीं है। हालांकि विज्ञान जहां समाप्त होता है, योग वहीं से प्रारंभ होता है। विज्ञान बाहर की ओर कार्यरत है, जबकि योग अंदर की ओर। अर्थात विज्ञान भौतिक जगत को आगे बढ़ाता है, जबकि योग मनुष्य को प्रकृति से जोड़ता है। मनुष्य प्रकृति का ही एक अंग है। जब विज्ञानजनित वस्तुएं मनुष्य को इससे विमुख करने लगी हैं तो योग ही वह मार्ग है, जिसे अपनाकर मनुष्य फिर प्रकृति के साथ जुड़ सकता है। इस बात को इस तरह से समझें कि मेरुदंड के दोनों धनात्मक और ऋणात्मक विद्युत प्रवाह अनवरत चलते रहते हैं, जिसे पिंगला और इड़ा कहते हैं। विज्ञान उसे प्रोटॉन और इलेक्ट्रॉन कहता है। विज्ञान के शोध की तरह योगीजन अपनी ऊर्जा को निरुद्देश्य बर्बाद न करके

विज्ञान बाहर की ओर कार्यरत है, जबकि योग अंदर की ओर। अर्थात विज्ञान भौतिक जगत को आगे बढ़ाता है, जबकि योग मनुष्य को प्रकृति से जोड़ता है। मनुष्य प्रकृति का ही एक अंग है। जब विज्ञानजनित वस्तुएं मनुष्य को इससे विमुख करने लगी हैं तो योग ही वह मार्ग है, जिसे अपनाकर मनुष्य फिर प्रकृति के साथ जुड़ सकता है।

ऊर्ध्व प्रवाह देकर कुंडलिनी जाग्रत करते हैं। यह योगी पर आधारित है कि वह अपनी ऊर्जा का प्रयोग किस प्रकार करता है। इसी से योगियों के स्वभाव में परिवर्तन हो जाता है। इस स्वभाव के दो क्रियात्मक रूप हैं - एक गति का और दूसरा अवरोध का। विज्ञान के अनुसंधानकर्ता अंतरिक्ष में यही कर रहे हैं। यूरेनियम ईंधन से न्यूट्रॉन का योग मिलकर शीतल जल का प्रवाह होता है वहीं संघात करके प्लूटोनियम का निर्माण होता है, जो रक्षात्मक भी है और संहारक भी। योगी अपनी शक्ति को गति देकर, संकल्प को प्राप्त कर, समय-समय पर शब्दों के माध्यम से सदुपयोग कर लेते हैं, जबकि विज्ञान इसे एकत्र कर दुनिया को मौत का भय दिखाता है। विज्ञान ने अपनी खोज के लिए भिन्न-भिन्न् नियम, सूत्र और तरह-तरह की प्रयोगशालाएं बनाई हैं और योग ने भी भिन्न-भिन्न् क्रियाओं को जन्म दे रखा है।

प्रयोगकर्ता अपने संरक्षक के सान्निध्य में रहकर धीरे-धीरे प्रयोग करके अपनी खोज में सफलता पा सकता है। कर्म-योग, भक्ति-योग, राज-योग, क्रिया-योग, भाव-योग, लय-योग, ज्ञान-योग आदि अनेक योग आज मनुष्य के जीवन क्रम में घर बनाए बैठे हैं। योग हमारे जीवन में बोधितत्व का मार्ग प्रशस्त करता है। योग जीवन का आधार है। इसलिए इसके महत्व को समझकर इसे जीवन में उतारने का प्रयास जरूर करें।

फोटोग्राफी...

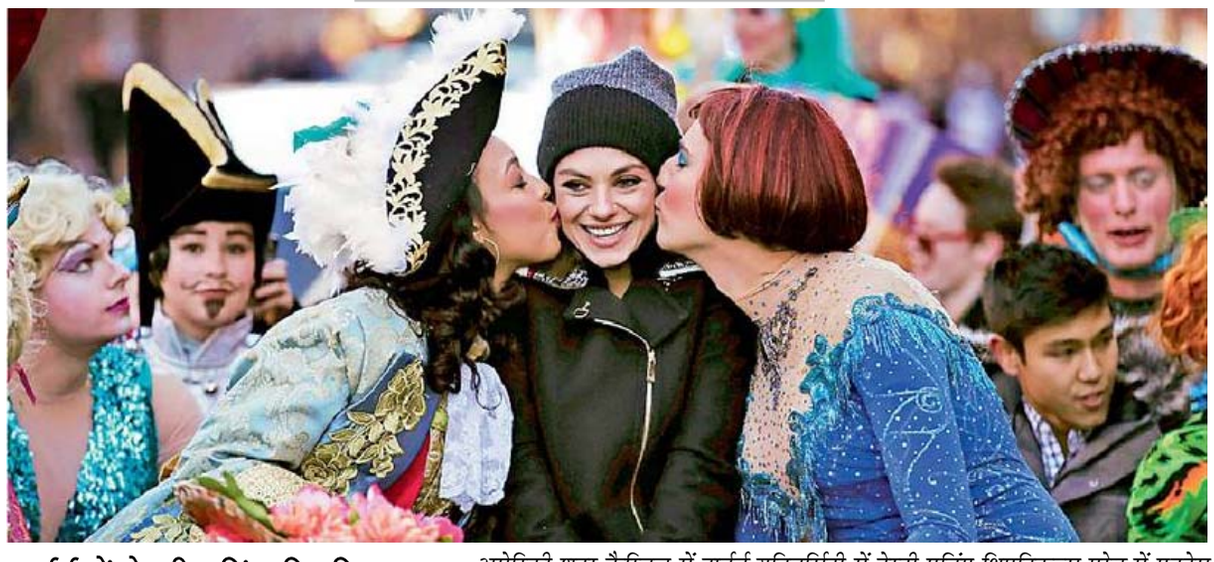

हार्वर्ड में हेस्टी पुडिंग थिएट्रिकल्स

अमेरिकी शहर कैम्ब्रिज में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में हेस्टी पुडिंग थिएट्रिकल्स परेड में एक्ट्रेस मिला कुनिस को वुमन ऑफद ईयर से सम्मानित किया गया।

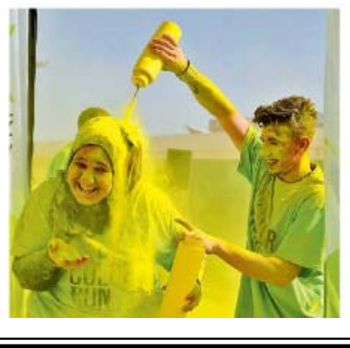

मोहे रंग दे बसंती...

कतर में दुनिया की सबसे खुशगवार रेस कतर की राजधानी दोहा में शनिवार को कलर रन हुई जिसमें लोगों ने खूब रंग उड़ाकर मस्ती की। पांच किलोमीटर लंबी यह चैरिटी रेस दुनिया की सबसे खुशगवार रेस है और कई देशों में होती है, वह भी एक ही शर्त के साथ कि लोग सफेद कपड़े पहनकर आएं और हर किलोमीटर पूरा होते ही रंग हवा में उड़ें और रेस खत्म होते सब लोग रंगों से सराबोर हो जाएं।

''किंतु', ''परंतु' का खेल

पड़ोसी नेपाल की राजधानी काठमांडू का तापमान इन दिनों घरेलू और बाहरी, दो कारणों से गर्म हो उठा है। प्रांतीय और संसदीय चुनावों में वामपंथी पार्टियां यूएमएल-सीपीएन गठबंधन की अभूतपूर्व विजय के बाद ''किंतु', ''परंतु' के साथ नेपाली जनता इनके विलय का उत्सुकता से इंतजार कर रही है। दूसरे, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेपाल के भावी प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली के साथहुई टेलीफोन वार्ता, जिसका कूटनीतिक अर्थ निकाला जा रहा है, के कारण भी। प्रधानमंत्री मोदी ने यूएमएल-सीपीएन के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री के. पी. ओली को अग्रिम बधाई देते हुए उन्हें भारत की यात्रा पर आने के लिए आमंत्रित भी किया। उन्होंने नेपाल की नई सरकार के साथ काम करने की सद्इच्छा भी जाहिर की। ऐसे तो यह एक सामान्य राजनीतिक शिष्टाचार ही था, लेकिन पिछले दो-तीन वर्षो के दौरान दोनों देशों के रिश्ते इतने तल्ख हो चुके हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के इस सामान्य शिष्टाचार को भी रणनीतिक पहलकदमी के तौर पर देखा जा रहा है। आम तौर पर देखा गया है कि नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टियों का रुख भारत के प्रति बहुत नरम नहीं रहता है। इसके लिए कम्युनिस्ट नेता भारत की नेपाल नीति को दोषी ठहराते हैं। उनके इस आरोप में आंशिक सचाईभी है क्योंकि नई दिल्ली में बैठे भारत के नीति-निर्धारकों ने नेपाल के राजतंत्र, राजनीतिक प्रबुद्ध वर्ग और कुलीन तंत्र को ही नेपाल की आत्मा मान लिया था। आम जनता के प्रति उनको कोई चिंता ही नहीं थी। इसके कारण नेपाल के जनमानस में भारत-विरोधी जो भावनाएं दबी-कुचली थीं, उन्हें कम्युनिस्ट पार्टियों ने और हवा दी।अब नेपाल में ओली के नेतृत्व में सरकार बनने जा रही है। दो हजार पंद्रह में मधेशी आंदोलन के दौरान हुई आर्थिक नारेबंदी के लिए उन्होंने भारत को जिम्मेदार ठहराया था। तब वे नेपाल के प्रधानमंत्री थे। उनके भारत-विरोधी इस रुख का नेपाली समाज के एक हिस्से ने स्वागत भी किया था।

अपने चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने चुनाव सभाओं में लोगों को आास्त भी किया था कि हमने चीन के साथ पारंपगत संधि कर ली है, जिसके कारण भारत पर हमारी आर्थिक निर्भरता नहीं रहेगी। उनका यह रुख भारत को परेशान कर सकता है। ओली के भारत-विरोधी रुख के कारण ऐसी आशंकाएं उठती हैं कि क्या नेपाल भी पाकिस्तान की राह पर चल पड़ेगा!

ऐसी स्थिति के लिए आंशिक तौर पर भारत की नेपाल नीति, नेपाल की अंदरूनी जरूरतें और चीन की महत्त्वाकांक्षा जिम्मेदार हैं। इस सवाल पर गंभीरता से विचार किए जाने की जरूरत है। भारत को नेपाल नीति के मसले पर आत्ममंथन करने की जरूरत है। इसलिए भी कि भारत अपने पड़ोस में एक दूसरा अस्थिर देश नहीं झेल सकता।

प्रधानमंत्री मोदी व्यक्तिगत सम्पकरे के आधार पर अपने समकक्षों के साथ आसानी से सहज रिश्ता बनाने में माहिर माने जाते हैं। उन्हें भारत के बारे में नेपाल के नेता और वहां की जनता के बीच दुष्प्रचार करके जो गलत धारणाएं बनाई गई हैं, उन्हें खंडित करना होगा। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज फरवरी के मध्य में नेपाल की यात्रा पर जा रही हैं। उम्मीद है कि उनकी प्रस्तावित यात्रा से भारत के प्रति नेपाल के दृष्टिकोण में बदलाव आएगा और दोनों देशों के बीच रिश्ते सहज हो सकेंगे।

स्टार नहीं, अच्छी एक्ट्रेस बनना चाहती हैं तापसी

एक्ट्रेस को हमेशा सालों तक उसके किरदार के लिए याद रखा जाता है।

अभिनेत्री तापसी पन्नू स्टार नहीं, अच्छी एक्ट्रेस बनना चाहती हैं। तापसी पन्नू का मानना है कि यदि आपके अंदर दर्शकों को सिनेमाघर तक लाने की ताकत है तो आप स्टार हैं और स्टार बनने के लिए सबसे पहले अच्छी एक्ट्रेस बनना जरूरी है। तापसी पन्नू ने कहा कि, वो स्टार से पहले एक्ट्रेस बनना चाहती हैं चूंकि, एक्ट्रेस को हमेशा सालों तक उसके किरदार के लिए याद रखा जाता है। तापसी पन्नू ने कहा, मैं कभी नहीं चाहती कि ऐसा दिन आए जब मेरी चार फिल्मों को पोस्टर लगाए जाएं तो दर्शक यह सोचते रह जाएं कि इसमें मेरा कौन सा किरदार था। एक्ट्रेस का काम होता है अपने आपको रिइनवेंट करना। हर किरदार को अलग दिखाना और अलग तरह से पेश करना एक्ट्रेस का मुख्य काम है। यदि हम हर बार वही हाव भाव से दर्शक के सामने पहुंच जाएंगे जो हम पहले कर चुके हैं तो इसे एक्टिंग नहीं कहेंगे। यदि आप सक्सेसफुल हैं तो आप सिर्फ स्टार कहलाए जाएंगे। यह बात सही है कि स्टार बनना सबका मकसद होता है। लेकिन स्टार बनने के लिए आपके अंदर वो पावर होना चाहिए जिससे आप दर्शकों को सिनेमाघर तक फिल्में देखने के लिए बुला सको। और ऐसा अच्छी एक्टिंग स्किल से हो सकता है जिसके बाद ही आप एक स्टार बनते हो। इसलिए मैं स्टार से पहले अच्छी एक्ट्रेस बनना चाहती हूं और इस पर लगातार काम कर रही हूं।

'ब्रीथ' मर्डर मिस्ट्री नहीं एक थ्रिलर फिल्म है: आर. माधवन

वेब श्रृंखला 'ब्रीथ' का ट्रेलर कहानी के बारे में बहुत कुछ कहता है लेकिन मुख्य अभिनेता आर. माधवन ने कहा कि इसमें कई चौंका देने वाली चीजें हैं क्योंकि दर्शकों को लगता है कि यह मर्डर मिस्ट्री है। पिछले सप्ताह इस फिल्म श्रृंखला का ट्रेलर सामने आया। दर्शकों ने पहले ही 'ब्रीथ' की कहानी भांप ली है जिसमें एक पिता अपने बेटे के जीवन को बचाने के लिए अंग दाताओं को मारता है क्योंकि बेटे को बचाने के लिए हृदय प्रत्यारोपण सर्जरी की जरूरत होती है। फिल्म में अमित साध एक जांच अधिकारी की भूमिका में हैं जो हत्यारे को पकड़ने की कोशिश करते हैं। यह पूछे जाने पर कि निर्माताओं ने ट्रेलर में पूरी कहानी का अनावरण क्यों किया? माधवन ने कहा, 'भले ही दर्शक जान चुके हैं कि हत्यारा कौन है और वो क्यों मारता है और कौन उसे पकड़ने वाला है.. फिर भी मैं विश्वास से कह सकता हूं कि फिल्म का अंत देखने के बाद दर्शक हैरान रह जाएंगे।

फिल्म उद्योग में कई परिवर्तन देखे हैं: महेश भट्ट

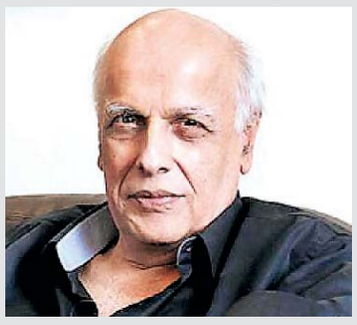

लगभग चार दशकों से हिंदी फिल्म उद्योग में सक्रिय फिल्म निर्माता महेश भट्ट के अनुसार उन्होंने फिल्म उद्योग में कई परिवर्तन देखे हैं। उनके अनुसार इस दौरान उन्होंने फिल्म निर्माता विक्रम भट्ट के पदार्पण से लेकर उनकी प्रसिद्धि तक का सफर देखा है। महेश के पारिवारिक मित्र विक्रम के साथ-साथ विक्रम की बेटी कृष्णा भी 'अनटचेबल्स' नामक एक वेब सीरीज बनाकर फिल्म निर्माता दल में शामिल हो चुकी हैं। यह वेब सीरीज जल्द आने वाली है। महेश ने एक बयान में कहा, 'मुझे लगता है कि मैंने फिल्म उद्योग में बहुत परिवर्तन देखे हैं और विक्रम फिल्म उद्योग में आए फिर उन्होंने मेरे साथ काम शुरू किया और उसके बाद उनके काम को गंभीरता से लिया जाने लगा। इसके बाद वेब की दुनिया में उन्होंने कदम रखा और अब कृष्णा भी इसमें शामिल हो गई हैं।

भंसाली संग काम करने के लिये धैर्य की जरूरत

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण का कहना है कि संजय लीला भंसाली के साथ काम करने के लिये धैर्य की जरूरत है। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी पद्मावत 25 जनवरी को रिलीज हो गयी है। फिल्म में दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह और शाहिद कपूर की मुख्य भूमिकायें है। दीपिका ने कहा कि, भंसाली के साथ काम करते समय धैर्य रखने के साथ-साथ बहुत कुछ त्यागना पड़ता है। दीपिका ने बताया कि, संजय लीला भंसाली के साथ काम करने के लिए धैर्य और त्याग दोनों की जरूरत होती है एक कलाकार के तौर पर आपके पास धैर्य होना ही चाहिए। खासकर तब और जब आप संजय लीला भंसाली की फिल्म में काम कर रहे हैं। ऐसी फिल्मों को करते समय आपको त्याग करना प?ता है। धैर्य रखना होता है। पिछले एक साल से हमारा कोई व्यक्तिगत जीवन ही नहीं था सिवाय फिल्म के सेट के। कई बार हमें ऐसा लगा है कि पैकअप के बाद सेट पर ही सो जाएं। दीपिका ने कहा , कैमरा रोल होता है तो मेरा ध्यान इस ओर नहीं होता कि मैं घूमर गाने में कितनी बार घूमी हूं, या लहंगा इतना भारी क्यों है अथवा गहने कहा जा रहे हैं। मैंने फिल्म शूट करते समय इन पर बिलकुल भीझ ध्यान नहीं दिया है। अब जब मैं इंटरव्यू कर रही हूं तो मेरा ध्यान इस ओर जा रहा है।

सुष्मिता पर्दे पर वापसी के लिए अच्छी पटकथा की तलाश में

वर्ष 2010 में फिल्म 'नो प्रोब्लम' में नजर आई पूर्व मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन का कहना है कि वह पिछले डेढ़ साल से अच्छी पटकथा की तलाश में हैं। सुष्मिता अपनी छोटी बेटी अलीशा के साथ शक्रवार को बच्चों के रूबल नागी कला फाउंडेशन के गणतंत्र दिवस समारोह में उपस्थित हुई। यह पूछने पर कि वह सिने जगत में वापसी कब कर रही हैं, उन्होंने कहा, 'मैं पिछले डेढ़ साल से पटकथाएं देख रही हूं। 'उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं अपनी जिंदगी के छह महीने एक फिल्म को देने के लिए तैयार हूं, लेकिन मैं तैयार हूं इसका मतलब यह नहीं है कि मेरे अनुरूप एक अच्छी पटकथा भी तैयार है। 'वर्ष 1994 की मिस यूनिवर्स ने कहा कि उनकी सबसे बड़ी महत्वाकांक्षा स्टार बनना नहीं थी बल्कि वह लोगों से जुड़े रहना चाहती थीं। उन्होंने कहा, 'जैसा कि मैंने हमेशा कहा है कि मैं लोगों से जुड़े रहने का रास्ता निकाल ही लेती हूं। मेरी महत्वाकांक्षा एक फिल्म स्टार बनना नहीं बल्कि लोगों के दिलों से जुड़ना है। 'उन्होंने कहा, 'मैं आभारी हूं कि भगवान ने मुझे अभिनेत्री बनने का मौका दिया।'

ये हैं खूबसूरत मुमताज की बेटी तान्या, Hotness देखकर हो जाएंगे फैन

बॉलीवुड एक्ट्रेस मुमताज अपने दौर की बेहतरीन एक्ट्रेस थीं, उनकी खूबसूरती के लाखों दीवाने हुआ करते थे। हालांकि मुमताज की खूबसूरती आज भी बरकरार है और इतनी उम्र होने के बाद भी उनकी खूबसूरती कम नहीं हुई। बता दें कि मुमताज की छोटी बेटी तान्या आज कल काफी सुर्खियों में है जिसकी वजह है उनकी बोल्ड और हॉट तस्वीरें। दरअसल, तान्या सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। तान्या की पर्सनल लाइफ के बारे में बात करें तो उन्होंने साल 2015 में ब्वॉयफ्रेंड मारको से लंदन में शादी की थी।

Readers Choice

दिव्यांग पोते को स्कूल छोड़ने रोज 24 किमी पैदल जाती है यह दादी

चीन के एक छोटे-से गांव में रहने वाली यह बुजुर्ग महिला अपने दिव्यांग पोते को स्कूल छोड़ने के लिए रोजाना 24 किमी चलकर जाती हैं। स्थानीय मीडिया ने इस महिला की तस्वीर प्रकाशित की जिसके बाद यह जल्द ही दुनियाभर में चर्चा में आ गई। दक्षिणी चीन के ग्रामीण गुंगाशी प्रांत में रहने वाली 76 वर्षीय दादी शी युयिंग के दिन की शुरुआत नौ साल के पोते जियांग हॉवेन को स्कूल ले जाने से होती है। वह उसकी व्हीलचेयर के साथ उसे स्कूल छोड़कर आती है। बीते चार साल से दादी अपनी यह जिम्मेदारी निभा रही है। वह बच्चे की देखभाल करने वाली अकेली महिला है। वह कहती हैं- जब तक मुझमें ताकत है, मैं उसे स्कूल लेकर जाऊंगी। शी युयिंग के पोते जियांग को 'सेरेब्रल पाल्सी' नामक एक बीमारी है, जिससे वह चलने-फिरने में असमर्थ है। उसका कई डॉक्टरों से उपचार भी कराया गया लेकिन कोई बदलाव नहीं आया। डॉक्टरों की फीस की वजह से बुजुर्ग महिला पर कर्ज भी हो गया। जब वह चार साल का था, तभी उसके माता-पिता का तलाक हो गया था। अब पिता किसी दूसरे शहर में काम करते हैं और परिवार को किसी प्रकार की सहायता नहीं दे पाते। जबकि उसकी मां ने दूसरी शादी कर ली है। पेंशन से गुजाराशी को पेंशन मिलती है जिससे वह पोते की स्कूल फीस और घर खर्च संभालती है।

सुपर 30 में सारा के अपोजिट काम करेंगे ऋतिक

मा चो मैन ऋतिक रौशन फिल्म सुपर 30 में सारा अली खान के अपोजिट काम करते नजर आ सकते हैं। विकास बहल के निर्देशन में 'सुपर 30' के संस्थापक आनंद कुमार पर फिल्म बनायी जा रही है। यह फिल्म गणितज्ञ और प्रोफेसर आनंद कुमार की जिंदगी पर आधारित होगी। फिल्म की स्क्रिप्ट मूल रूप से आनंद कुमार और उनके सुपर 30 स्टूडेंट्स पर आधारित है। ऋतिक फिल्म में आनंद कुमार का किरदार निभाते नजर आयेंगे। सुपर 30 एक प्रसिद्ध संस्थान है जिसे आनंद कुमार खुद चलाते हैं जिसमें गरीब बच्चों को आईआईटी-जेईई जैसी कठिन परीक्षा की तैयारी करवाई जाती है। ऋतिक रौशन फिल्म में स्थापित हीरोइनों की बजाए एक नई हीरोइन चाहते हैं। बताया जा रहा है कि ऋतिक रौशन ने 'सुपर 30' के निर्देशक विकास बहल से हीरोइन के बारे में पूछा तो विकास ने जवाब दिया कि तलाश जारी है। ऐसे में ऋतिक ने सारा अली खान का नाम सुझाया जो सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी हैं। इस समय वे अभिषेक कपूर की फिल्म 'केदारनाथ' कर रही है जिसमें उनके हीरो सुशांत सिंह राजपूत हैं। ऋतिक रोशन चाहते हैं कि सारा को इस फिल्म से जोड़ लिया जाए ताकि फिल्म में ताजगी आए। साथ में एक नई जोड़ी भी फिल्म में नजर आए।

छोटा पर्दा

डांस करते-करते स्टेज पर ही गिर पड़ीं दीपिका

टीवी के पॉपुलर सीरियल 'दीया और बाती हम' में संध्या बींदणी का किरदार निभाने वालीं दीपिका सिंह आज कल अपने कमबैक को लेकर काफी तैयारी कर रही हैं। इसी के साथ दीपिका डांस क्लास भी रेगुलर ले रही हैं। लेकिन हाल ही में वो एक स्टेज शो के दौरान गिर गईं। जिसका वीडियो उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर शेयर किया है। दरअसल, वो ट्रेन्ड ओडिशि डांसर हैं और सरस्वती पूजा के दिन वो स्टेज पर परफॉर्म कर रही थीं, तभी वो गिर गईं। हालांकि इसके बाद भी वो रुकी नहीं और अपनी परफॉर्मेंस करती रहीं।

अर्शी पर उठे सवालों का विकास गुप्ता ने दिया जवाब

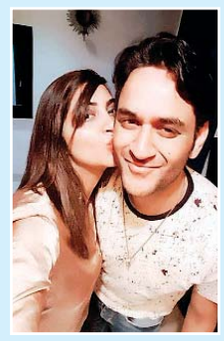

रियालिटी शो 'बिग बॉस 11' के खत्म होने के बाद सोशल मीडिया पर कंटेस्टेंट्स की पार्टी की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। हाल ही में पार्टियों में विकास गुप्ता के साथ नज़र आने की वजह से अर्शी खान सवालों के घेरे में आ गई थीं। लेकिन विकास गुप्ता अपनी दोस्त अर्शी खान का साथ देने से पीछे नहीं हटे। विकास गुप्ता ने कहा, मुझे नहीं मालूम कि लोग अर्शी खान को लेकर इतने सवाल क्यों करते हैं। अर्शी खान दिल की बहुत ही नेक और अच्छी इंसान हैं।

फिर फ्लॉप हुआ कपूर परिवार का ये अभिनेता

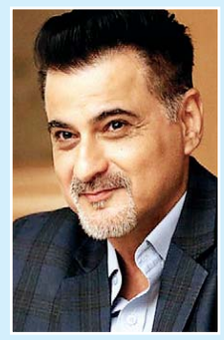

छोटे पर्दे पर सीरियल का आना जाना लगा रहता है। कभी किसी सीरियल की ऑनएयर होने की खबर आती है, तो कभी ऑफएयर होने की। ऐसा ही कुछ सुनने को मिला स्टार प्लस पर आने वाले सीरियल 'दिल संभल जा जरा' के लिए भी। हाल ही में खबर आ रही है कि संजय कपूर का फेमस शो 'दिल संभल जा जरा' इस हफ्ते ऑफ एयर हो जाएगा। इस मौके पर संजय और उनकी लीड हीरोइन स्मृति कालरा से हमने बात की। बातचीत के दौरान दोनों ने शो में काम करने के अपने अनुभव को शेयर किया।

जोक्स

जमाना

पिता: बेटा, एक जमाना था जब मैं 10 रुपए लेकर बाजार जाता था और किराना, सब्जी, दूध सब ले आता था।

बेटा: पिताजी अब जमाना बदल गया है। आजकल हर दुकान पर सीसीटीवी कैमरे लगे रहते हैं।

पसन्द

पप्पू: पापा मुझे एक लड़की पसंद है, मैं उससे शादी करना चाहता हूं।

पापा: क्या वो भी तुझे पसन्द करती है ?

पप्पू: हां जी, हां!

पापा: जिस लड़की की पसन्द ऐसी हो, मैं उसे अपनी बहू नहीं बना सकता।

परेशान

सोनू : किस बात से इतना परेशान है?

मोनू : यार, घरवालों से हूं।

सोनू : घरवालों ने क्या किया

मोनू : जिस दिन लगता है कि कुछ नया करूं, उसी दिन मुझे गेंहू पिसवाने भेज देते हैं।

कुर्सी

दोस्त की शादी में एक खूबसूरत लड़की ने मुझसे पूछा: 'क्या आप डांस करना पसंद करेंगे'?

मैंने खुश होते हुए कहा कि,'हां, हां। क्यों नहीं?'

लड़की: तो फिर आपकी कुर्सी मैं ले जाऊं?

हॉलीवुड

टेरिन मैनिंग ने एसएजी अवॉर्ड में पहनी 200 डॉलर की ड्रेस

अमेरिकी अभिनेत्री टेरिन मैनिंग का कहना है कि वह यह जानकर बेहद नाराज हैं कि स्क्रीन एक्टर्स गिल्ड अवॉर्ड्स (एसएजी) में उन्होंने जो ड्रेस पहनी थी, उसकी कीमत महज 200 डॉलर थी। वेबसाइट 'टीएमजेड डॉट कॉम' के मुताबिक, मैनिंग ने (39) यहां वार्षिक अवार्ड सामरोह में एक काले रंग की ड्रेस पहनी थी, लेकिन वह यह जानकर हैरान रह गईं कि उनकी ड्रेस की कीमत महज 200 डॉलर है। अभिनेत्री अपनी ड्रेस की कीमत जानकर बेहद नाराज हुई।

एक और बच्चे की मॉ बनना चाहती हैं किम कर्दशियां

रियलिटी टीवी स्टार किम कर्दशियां एक और बच्चे को जन्म देने के बारे में विचार कर रही हैं। एक सूत्र ने बताया शिकागो के जन्म से पहले किम ने अगले बच्चे के लिए सेरोगेट के बारे बात की। रियलिटी स्टार ने 15 जनवरी को पति कान्ये वेस्ट के साथ अपनी दूसरी बेटी और तीसरे बच्चे का स्वागत किया। सूत्र ने कहा वह पूरी प्रक्रिया से बहुत खुश हैं और सेरोगेट के साथ उत्साहित हैं। कर्दशियां वेस्ट (37) से जुड़े सूत्र ने बताया किम निश्चित तौर पर अधिक बच्चे चाहती हैं। वह परिवार में पांच के होने से खुश हैं। वह बड़ा परिवार चाहती हैं।

हेम्सवर्थ शादी टूटने की अफवाह से परेशान

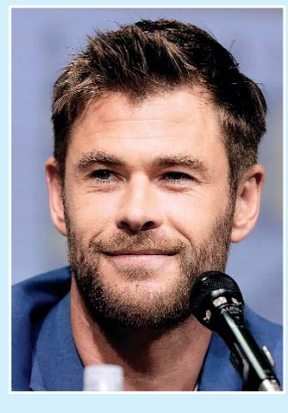

अभिनेता क्रिस हेम्सवर्थ का कहना है कि वे इंटरनेट से दूर रहना चाहते हैं, क्योंकि वे उन झूठी अफवाहों से पीछा छुड़ाना चाहते हैं, जिसमें कहा जा रहा है कि एल्सा पाताके के साथ उनकी शादी ठीक नहीं चल रही है। एक रिपोर्ट में बताया गया कि द टाइम्स को दिए एक साक्षात्कार में अभिनेता ने कहा कि वे उनकी शादी के बारे में अफवाहों को पढ़ने से बचने की कोशिश करते हैं। हेम्सवर्थ ने कहा मैं उन्हें अनदेखा करने की कोशिश करता हूं। उन्होंने कहा मैं इंटरनेट से दूर रहता हूं, लेकिन कभी-कभी कोई मुझसे कहता है कि आपको इस पर अपनी प्रतिक्रिया देनी चाहिए।

भक्ति और विश्वास की पराकाष्ठा है भगवत कथा : केसरी नंदन जी महाराज

श्रीकृष्ण-रूक्मणी विवाह के दौरान जमकर झूमे भक्तगण

संवाददाता,सूरत। पांडेसरा पानी की टंकी के पास स्वामी नारायण मंदिर के सामने नव चेतन ग्राउन्ड में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के सातवें कथा वाचक भागवत कथा मर्मज्ञ केसरी नंदन जी महाराज ने व्यास पीठ से अघासुर, बकासुर, धेनुकासुर वध व कालिया नाग का मान मर्दन और श्रीकृष्ण-रूक्मणी विवाह की मार्मिक कथा प्रसंग का रसपान कराया। कथा के दौरान उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा भक्ति और विश्वास की पराकाष्ठा है। प्रभु नाम के श्रवण मात्र से ही सब सुलभ हो जाता है। केसरी नंदन जी ने कहा कि भगवान यमुना नदी के कालीदह में नगरवासियों के लिए आतंक का पर्याय बन चुके कालियानाग के घमण्ड को तोड़ने के लिए यमुना में से गेंद लेने के लिए उतरे। कालिया नाग के साथ जमकर लड़ाई लड़ने के बाद उसे परास्त कर दिया। उसकी पत्नी के कहने पर कालिया नाग की जान बख्श दी और उसके फन पर नाचते हुए यमुना के बाहर आए। श्रीकृष्ण व रूक्मणी विवाह प्रसंग के दौरान मनमोहक झांकी निकाली गई। केसरीनंदन महाराज ने सांवली सूरत पर मोहन दिल दिवाना हो गया...और कालीदह पर खेलन आयो रे मेरो छोटे से कन्हैया..सहित अन्य भजनों की श्रृंखलाओं को पेश कर कथा पंडाल में मौजूद भक्तों को झूमने पर विवश कर दिया। इस दौरान पारसनाथ पाल, महेश भाई जैन, रूपेन्द्र सिंह राणा, आशीष तिवारी, शंकर भाई, देवनाथ भाई, निशा संजय राय, रवि यादव, विरेंद्र प्रजापति, आनंद तिवारी सहित काफी तादाद में श्रोतागण मौजूद थे।

कपड़ा मार्केट में दिखाई दी ग्राहकों की चहल पहल

ग्राहक आने से सूनी पड़ी तमाम कपड़ा मार्केट हो रही है गुलजार

संवाददाता सूरत। कपड़ा मार्केट में नए साल के अंतिम सप्ताह में ग्राहक आने से कपड़ा कारोबारियों के चेहरे पर खुशी की चमक साफ तौर पर झलकने लगी है।

लग्नसरा शुरू होने से यूपी, बिहार, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र सहित देश के अन्य प्रांतों से कपड़ा ग्राहकी के लिए खुदरा व्यापारी आने लगे हैं। जिससे कपड़ा कारोबारियों के चेहरे पर साफ तौर पर चमक दिखाई देने लगी है। एसटीएम के कपड़ा कारोबारी हरिवंश अरोरा ने कहा कि वर्तमान में लगभग 80 प्रतिशत कारोबार में सुधार हुआ है। बाहर से आने वाले ग्राहकों के चलते कुछ दिनों पहले सूनी पड़ी रिंग रोड की तमाम कपड़ा मार्केट ग्राहकों के आने से गुलजार होने लगी है।

नवदुर्गा महिला मंडल ने मनाया गणतंत्र दिवस

संवाददाता, सूरत। पांडेसरा इलाके के शांता नगर सोसायटी में नवदुर्गा महिला मंडल की ओर से 69वें गणतंत्र दिवस को धूमधाम से शुक्रवार को मनाया गया। कार्यक्रम के बतौर मुख्यअतिथि प्रमुख समाजसेवी रविंद्र भाई ठाकुर उर्फ हरिओमभाई ने कहा कि हमारे देश में 26 जनवरी 1950 को गणतंत्र की स्थापना हुई। उसके बाद से देश का राजा किसी रानी के पेट से नहीं मतपेटिका से निकलने वाले आमजन के वोट से बनने की शुरूआत हुई। नवदुर्गा महिला मंडल की प्रमुख रेखा ठाकुर ने कहा कि जब जब देश पर अराजकत्वों का आतंक बढ़ा तब-तब देश में नारी शक्ति जागी और दुष्टों का समूल नाश हुआ। कार्यक्रम के दौरान सालू बेन गुप्ता, रजुलाबेन, जयश्रीबेन, रामाबेन, शमा बेन, सीमा बेन गुप्ता, अनुजाबेन, प्रेमाबेन, मनीषा सिंह, मनभावता, विमला पटेल, प्रमिला पटेल सहित काफी तादाद में संस्था के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

संवाददाता, सूरत। सूरत डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के प्रमुख किरीट भाई पानवाला के नेतृत्व में 26 जनवरी को नई कोर्ट बिल्डिंग में चांस एकेडमी फॉर फिजिकली चैलेंज्ड टैलेंटेड आर्टिस्ट के दिव्यांग कलाकारों ने देश भक्ति गीत पेश करके देश भक्ति का माहौल जमाया । इस कार्यक्रम में ऑनरेबल प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज मैडम गीता गोपी, बार काउंसिल मेंबर जे आर गांधी, आर जी शाह, कोर्ट के तमाम स्टाफ मेंबर्स, अन्य वकील मित्र मौजूद रहे। चांस एकेडमी के मेंबर एडवोकेट जीतूभाई गोलवाला ने इस कार्यक्रम में बार एसोसिएशन की ओर से चांस एकेडमी को खूब सपोर्ट किया । चांस अकादमी के फाउंडर प्रेसिडेंट उषाबेन जादावाला और वर्तमान प्रेसिडेंट नितल शाह ने कार्यक्रम का सूंदर संचालन करके लोगों का मन मोह लिया।

श्रीकाशी विश्वधाम मंदिर में 5 से श्रीमद्भागवत व रामकथा

जीतेन्द्राचार्य व संतदास महाराज अपनी मृदुलवाणी से करेंगे कथावाचन

संवाददाता, सूरत। शहर के पांडेसरा इलाके में, जय जवान जय किसान नगर सोसायटी स्थित श्री काशी विश्वनाथ धाम में 5 फरवरी से 11 फरवरी तक श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ व श्रीराम क था सप्ताह का आयोजन श्री काशी विश्वनाथ धाम परिवार की ओर से किया गया है। कथा के निमित्त पांच फरवरी को सुबह कथा स्थल से गाजे बाजे के साथ भव्य कलश शोभा यात्रा निकलेगी। शहर के पांडेसरा इलाके में, जय जवान जय किसान नगर सोसायटी स्थित श्री काशी विश्वनाथ धाम में 5 फरवरी से 11 फरवरी तक श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ व श्रीराम कथा सप्ताह का आयोजन श्री काशी विश्वनाथ धाम परिवार की ओर से किया गया है। कथापीठ से अमृतमयी श्रीमद्भागवत कथा का रसपान जितेन्द्राचार्य जी महाराज अपने मृदुलवाणी से दोपहर 2 से 5 बजे तक कराएंगे। जबकि रात 8 से 11 बजे तक अयोध्या से आए श्रीराम कथा वाचक संतश्री संतदास जी महाराज अपने मधुरवाणी से श्रीराम कथा का श्रोताओं को रसपान कराएंगे। इस आशय की जानकारी श्री काशी विश्वनाथ धाम के मुख्य पुजारी परम पूज्य सर्वेशानंद महाराज ने दी है।

माता-पिता की फटकार के बाद 15 साल की किशोरी ने खुदकुशी की

तापी (ईएमएस)। जिले के मोटी खेरवड गांव में माता-पिता की फटकार से आहत 15 वर्षीय किशोरी ने आत्महत्या कर ली। कल से लापता किशोरी का आज शव बरामद हुआ है। जानकारी के मुताबिक तापी जिले की सोनगढ़ तहसील के मोटी खेरवड गांव निवासी 15 वर्षीय किशोरी कक्षा 10 की छात्रा थी।

किशोरी के स्कूल बैग में मोबाइल मिलने के बाद माता-पिता ने उससे पूछताछ की थी और उसे फटकार भी लगाई थी। शनिवार से किशोरी लापता थी और आज उसका शव बरामद हुआ है। मोटी खेरवड गांव से करीब दो किलोमीटर दूर एक खेत से किशोरी का शव मिला है।

शिव सागर स्कूल ने गणतंत्र दिवस उत्सव के साथ-साथ वार्षिकोत्सव भी मनाया

संवाददाता, सूरत। सूरत के पलसाना तालुका के दास्तान स्थित शिव सागर स्कूल, हलधरू गाँव में 26 जनवरी 2018 को गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में सुबह के समय ध्वजारोहन किया गया । शाम के समय स्कूल के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसमें देश भक्ति, स्वच्छता एवं माँ की ममता एवं महिषासुर वध जैसे कार्यक्रम किये गए जिसे देखकर दर्शकों ने काफी सराहना की ।

महामंडलेश्वर महन्त श्री सीताराम बापू एवं गुजरात डायमण्ड बूर्स के श्री घनश्यामजी सोनी तथा कड़ोदरा पुलिस स्टेशन के जी.पी.एस.पी.आई. श्री वाल्वी साहब तथा बगुमरा दास्तान, ग्राम पंचायत के सरपंच श्री मति मंजुलाबेन प्रजापति ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया । कार्यक्रम में उपस्थित सभी अथितिगणों ने कार्यक्रम की प्रशंसा की एवं श्री घनश्याम जी सोनी ने कहा की इस स्कूल के द्वारा इस ग्रामीण क्षेत्र के विकास में बहुत बड़ा योगदान होगा ।

इस स्कूल के ट्रस्टी श्रीमति वनिता मैडम एवं श्री आलोक पटेल ने बच्चों के कार्यक्रम को उत्तसाहित किया । स्कूल सेक्रेटरी श्री सागर पटेल एवं स्कूल के एकेडमिक अधिकारी श्री राजाराम वैष्णव ने कार्यक्रम का शांतिपूर्ण सफल संचालन किया एवं उपस्थित सभी लोगों का अभिवादन किया । विद्यालय परिवार की ओर से आयोजित किये गए इस कार्यक्रम की अभिभावकों ने प्रशंसा की एवं संचालक श्रीमान सागर सर का बहुत-बहुत आभार प्रकट किया ।

संवाददाता, सूरत। राधेश्याम इंग्लिस स्कूल में गणतंत्र दिवस के अवसर पर तिरंगा फहराया गया व बच्चों द्वारा सांसकृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

संवाददाता, सूरत। सुमन संक्लप शोशायटी गोडादरा में गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को राष्ट्र ध्वज वंदन तथा भारत माता पूजन का आयोजन किया गया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com